

وَاعْلَمُوا أَنَّمَا غَنِمْتُمْ مِّنْ شَيْءٍ فَإِنَّ لِلَّهِ حُسْبَهُ

और जान लो के जो कुछ तुम गनीमत में हासिल करो तो अल्लाह

وَ لِلرَّسُولِ وَ لِذِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ

और रसूल और रिश्तेदारों और यतीमों और भिस्कीनों और मुसाफिर के लिये

وَ ابْنِ السَّبِيلِ ۚ إِن كُنْتُمْ آمَنْتُمْ بِاللَّهِ وَمَا أُنزِلْنَا

उस का भुम्स है, अगर तुम ईमान रखते हो अल्लाह पर और उस कुरआन पर जो हमारे बन्दे पर

عَلَىٰ عَبْدِنَا يَوْمَ الْفُرْقَانِ يَوْمَ التَّقَىٰ الْجَمْعِ ۗ

उक और बातिल के दरमियान कैसेले के दिन हम ने उतारा, जिस में दो लश्कर बाहम मुकाबिल हुवे.

وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝ إِذْ أَنْتُمْ بِالْعُدُوَّةِ

और अल्लाह हर चीज पर कुदरत वाले हैं. जब तुम करीब वाले

الدُّنْيَا وَهُمْ بِالْعُدُوَّةِ الْقُصْوَىٰ وَالرَّكْبُ أَسْفَلَ

किनारे में थे और वो दूर वाले किनारे में थे और काइला तुम से नीचे था.

مِنْكُمْ ۗ وَلَوْ تَوَاعَدْتُمْ لِاخْتِافْتُمْ فِي الْبَيْعِ ۚ

और अगर तुम अेक दूसरे से वादा कर लेते तो अलबत्ता वादे में जरूर तुम आगे पीछे हो जाते.

وَلَكِنْ لِّيَقْضَىٰ اللَّهُ أَمْرًا كَانَ مَفْعُولًا ۚ لِيَهْلِكَ

ये इस लिये किया ताके अल्लाह कैसेला इरमा दे अेक काम का जो मुकरर हो चुका था, ताके उलाक हो

مَنْ هَلَكَ عَنْ بَيِّنَةٍ وَ يَحْيَىٰ مَنْ حَىٰ

जिसे उलाक होना हो कयामे हुज्जत के बाद और जिन्दा रहे जिसे जिन्दा रेहना हो कयामे हुज्जत के

عَنْ بَيِّنَةٍ ۗ وَإِنَّ اللَّهَ لَسَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝ إِذْ يُرِيكُمُ اللَّهُ

बाद. और यकीनन अल्लाह सुनने वाले, ईल्म वाले हैं. जब अल्लाह ने आप को दिभलाया इन कुइइर को

فِي مَمَامِكَ قَلِيلًا ۗ وَلَوْ أَرَاكُمُ كَثِيرًا لَّفَشَلْتُمْ

आप के फ्वाब में कम कर के. और अगर आप को अल्लाह इन कुइइर को जयादा दिभाता तो तुम

وَلَكِنَّا زَعَمْتُمْ فِي الْأَمْرِ وَلَكِنَّ اللَّهَ سَلَّمَ ۗ إِنَّهُ

मुसलमान डिम्मत धार जाते और तुम इस मुआमले में बाहम उलज पडते, लेकिन अल्लाह ने बया लिया.

عَلِيمٌ بِذَاتِ الصُّدُورِ ۝ وَإِذْ يُرِيكُمُوهُمْ إِذْ

यकीनन वो दिलों के डाल को भूष जानने वाला है. और जब अल्लाह उन कुइइर को जब तुम मुकाबिल

التَّقِيَّتُمْ فِي أَعْيُنِكُمْ قَلِيلًا وَ يُقَلِّلُكُمْ فِي أَعْيُنِهِمْ

हुवे, तुम्हारी निगाहों में तुम्हें कम दिखा रहा था और तुम्हें कम दिखा रहा था उन की निगाहों में

لِيَقْضَىٰ اللَّهُ أَمْرًا كَانَ مَفْعُولًا ۖ وَإِلَى اللَّهِ

ताके अदलाव अेक काम का कैसला कर दे जो मुकरर हो युका था. और अदलाव ही की तरफ

تُرْجَعُ الْأُمُورُ ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا لَقِيتُمْ فِئَةً

तमाम उमूर लौटाये जायेंगे. अे ईमान वालो! जब तुम किसी लश्कर के मुकाबिल हो

فَاتَّبِعُوا وَادْكُرُوا اللَّهَ كَثِيرًا لَّعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ۝

तो साबित कदम रहो और अदलाव को बहोत जयादा याद करो ताके इलाव पाओ. और अदलाव

وَاطِيعُوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَلَا تَنَازَعُوا فَتَفْشَلُوا

और उस के रसूल का भुशी से केडना मानो और आपस में मत जघडो, वरना तुम डिम्मत डार जाओगे

وَ تَذَهَبَ رِيحُكُمْ وَاصِبُورًا ۗ إِنَّ اللَّهَ مَعَ الصَّابِرِينَ ۝

और तुम्हारी डवा उभड जायेगी और सभ्र करो. यकीनन अदलाव सभ्र करने वालों के साथ है.

وَلَا تَكُونُوا كَالَّذِينَ خَرَجُوا مِنْ دِيَارِهِمْ

और उन लोगों की तरड मत बनो जो अपने घरों से निकले थे

بَطْرًا ۚ وَرِئَاءَ النَّاسِ وَ يُصَدُّونَ عَنْ سَبِيلِ

ईतराते हुवे और लोगों को दिभावे के लिये और अदलाव के रास्ते से

اللَّهِ ۖ وَاللَّهُ بِمَا يَعْمَلُونَ مُحِيطٌ ۝ وَإِذْ زَيْنَ

रोकते थे. और अदलाव उन के आमाल का ईडाता किये हुवे है. और जब उन के लिये

لَهُمُ الشَّيْطَانُ أَعْمَالَهُمْ وَقَالَ لَا غَالِبَ لَكُمْ

शयतान ने उन के आमाल मुजय्यन किये और शयतान ने कडा के आज तुम पर ई-सानों में से

الْيَوْمَ مِنَ النَّاسِ وَإِنِّي جَارٌ لَّكُمْ ۗ فَلَمَّا تَرَأَتْ

कोई गालिब नहीं आ सकता और मैं तुम्हारा मददगार हूँ. फिर जब दोनों लश्कर अेक दूसरे के

الْفِئَتَيْنِ نَكَصَ عَلَىٰ عَقْبَيْهِ وَقَالَ إِنِّي بَرِيءٌ

मुकाबिल हुवे तो शयतान अपनी अेडियों के बल पलट गया और केडने लगा के मैं तुम से

مِّنْكُمْ إِنِّي أَرَىٰ مَا لَا تَرَوْنَ إِنِّي أَخَافُ اللَّهَ ۖ

भरी हूँ के मैं डेभ रहा हूँ वो (इरिश्ते) जो तुम नहीं डेभ रहे, ईस लिये मैं अदलाव से डरता हूँ.

وَاللَّهُ شَدِيدُ الْعِقَابِ ﴿۳۸﴾ إِذْ يَقُولُ الْمُبْفِقُونَ

اور اذلاط سبب سجا دے والے ہں۔ جب موناکیکیں اور وے لوگ

وَالَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ مَّرَضٌ غَرَّ هَوْلًا ۖ دِينَهُمْ

جین کے دیکوں میں مرن ہے کڈ رڈے تے کے دن لوگوں کو ون کے دین نے مگرر بنا ربا ہے۔

وَمَنْ يَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ فَإِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۳۹﴾

اور جو اذلاط پر توككول کرےگا تو یکیکن اذلاط زبدردست ہے، ڈیکمت والا ہے۔

وَلَوْ تَرَىٰ إِذْ يَتَوَفَّى الَّذِينَ كَفَرُوا ۖ الْمَلَائِكَةُ

اور کاش کے آپ دہتے جب کے کاکیروں کی جان نکال رڈے ڈوںگے فریشتے،

يَضْرِبُونَ وُجُوهَهُمْ وَأَدْبَارَهُمْ ۖ وَذُوقُوا

مار رڈے ڈوںگے ون کے بڈروں پر اور ون کی پیڈوں پر۔ اور (کڈتے ڈوںگے کے)

عَذَابَ الْحَرِيقِ ﴿۴۰﴾ ذَلِكَ بِمَا قَدَّمْت أَيْدِيكُمْ

آگ کا آجاب یبوں۔ یے آجاب ون گوناڈوں کی وچڈ سے ہے جو تومڈارے ڈاٹوں نے آگے بےجے

وَأَنَّ اللَّهَ لَيْسَ بِظَلَّامٍ لِّلْعَبِيدِ ﴿۴۱﴾ كَذَابٍ أَلِ

اور یے بات سابیت ہے کے اذلاط بندوں پر زرا بلی زولم کرنے والا نہیں ہے۔ ون کا ڈال آله فریرون

فِرْعَوْنَ ۖ وَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ كَفَرُوا بِآيَاتِ اللَّهِ

کے ڈال کی ترڈ اور ون لوگوں کے ڈال کی ترڈ ہے جو ون سے پھلے تے۔ جینڈوں نے اذلاط کی آجات کے ساٹ

فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ قَوِيٌّ شَدِيدٌ

کڑھ کڑیا، فر اذلاط نے ون کو ون کے گوناڈوں کی وچڈ سے پکڈ لیا۔ یکیکن اذلاط کویت والا ہے،

الْعِقَابِ ﴿۴۲﴾ ذَلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ لَمْ يَكُ مُغَيِّرًا نِّعْمَةً

سبب سجا دے والا ہے۔ یے دنس وچڈ سے کے اذلاط کسی نےامت کو بدلتا نہیں جس کا ون نے

أَنْعَمَهَا عَلَىٰ قَوْمٍ حَتَّىٰ يُغَيِّرُوا مَا بِأَنْفُسِهِمْ ۖ

کسی کوم پر دنآم کڑیا ڈو یڈاں تک کے وے بھڈ ن بدل لے ون کو جو ون کے دیکوں میں ہے۔

وَأَنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۴۳﴾ كَذَابٍ أَلِ فِرْعَوْنَ ۖ

اور یے کے اذلاط سوننے والا، دنم والا ہے۔ ون کا ڈال آله فریرون کے ڈال کی ترڈ

وَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ كَذَّبُوا بِآيَاتِ رَبِّهِمْ

اور ون لوگوں کے ڈال کی ترڈ ہے جو ون سے بلی پھلے تے۔ جینڈوں نے اپنے رب کی آجات کو جھلاوا

فَأَهْلَكْنَاهُمْ بِذُنُوبِهِمْ وَ أَعْرَقْنَا آلَ فِرْعَوْنَ ۝

फ़िरउम ने उनहें उल्लाक किया उन के गुनाहों की वजह से और उम ने आले फ़िरऔन को गर्क किया.

وَكُلُّ كَانُوا ظَالِمِينَ ۝ إِنَّ شَرَّ الدَّوَابِّ

और सब के सब ज़ालिम थे. यकीनन बदतरीन मज्लूक अल्लाह के

عِنْدَ اللَّهِ الَّذِينَ كَفَرُوا فَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ۝ الَّذِينَ

नअदीक वो लोग हैं जो काफ़िर हैं, फ़िर वो इमान नहीं लाते. उन मे सें

عُهِدَتْ مِنْهُمْ ثُمَّ يَنْقُضُونَ عَهْدَهُمْ

वो जिन से आप ने अहद कर रभा है, फ़िर वो अपने अहद को तोडते हैं

فِي كُلِّ مَرَّةٍ وَهُمْ لَا يَتَّقُونَ ۝ فَمَا تَتَّقَنَّهُمْ

उर मरतभा में और वो डरते नहीं हैं. फ़िर अगर आप उन पर काबू पायें जंग में

فِي الْحَرْبِ فَشَرِّدْ بِهِمْ مَن خَلْفَهُمْ لَعَلَّهُمْ يَدْكُرُونَ ۝

तो उन के जरिये से मुन्तशिर कर दीजिये उन को जो उन के पीछे हैं, शायद वो नसीहत उासिल करें.

وَإِمَّا تَخَافَنَّ مِنْ قَوْمٍ خِيَانَةً فَانْبِذْ إِلَيْهِمْ

और अगर तुमहें डर हो किसी कौम की तरफ़ से भयानत का तो उन की तरफ़ भराभर सराभर

عَلَى سَوَاءٍ ۝ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْخَائِنِينَ ۝

मुआउदे को डेंक हो. यकीनन अल्लाह भयानत करने वालों से मउब्हत नहीं करते. और काफ़िर

وَلَا يُحْسَبَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا سَبْقُوا ۝ إِنَّهُمْ لَا يُعْجِزُونَ ۝

लोग ये न समजें के वो भाग कर आगे निकल गये हैं. यकीनन वो (अल्लाह को) आजिउ नहीं कर सकते.

وَاعِدُوا لَهُمْ مَا اسْتَطَعْتُمْ مِنْ قُوَّةٍ

और तुम तैयारी रभो उन के लिये उस सामान की जिस की तुम इस्तिताअत रभते हो

وَمِنْ رِبَاطِ الْخَيْلِ تُرْهِبُونَ بِهِ عَدُوَّ اللَّهِ وَعَدُوَّكُمْ

और घोडों को बांध कर के ली, जिस के जरिये तुम डराओ अल्लाह के दुशमन को और अपने दुशमन को

وَأَخْرَيْنَ مِنْ دُونِهِمْ ۝ لَا تَعْلَمُونَهُمُ اللَّهُ

और उन के अलावा दूसरों को जिन को तुम जानते नहीं हो. अल्लाह

يَعْلَمُهُمْ ۝ وَمَا تُنْفِقُوا مِنْ شَيْءٍ فِي سَبِيلِ اللَّهِ

उनहें जानते हैं. और जो चीज ली भय करोगे अल्लाह के रास्ते में



يُوفِّ إِلَيْكُمْ وَإِنَّكُمْ لَا تظَلُمُونَ ﴿۱۰﴾ وَإِنْ جَنَحُوا

तो वो तुम्हें पूरी पूरी दी जायेगी और तुम्हें कम कर के नहीं दी जायेगी. और अगर वो सुलह की तरफ

لِلسَّلَامِ فَاجْنَحْ لَهَا وَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ ۗ إِنَّهُ هُوَ

जुके तो आप भी सुलह की तरफ जुकिये और अल्लाह पर तवक्कुल कीजिये. यकीनन अल्लाह

السَّيِّعُ الْعَلِيمُ ﴿۱۱﴾ وَإِنْ يُرِيدُوا أَنْ يَخْدَعُوكَ

सुनने वाले, धुम वाले हैं. और अगर वो चाहें के वो आप को धोका दें

فَإِنَّ حَسْبَكَ اللَّهُ ۗ هُوَ الَّذِي آتَاكَ بِنَصْرِهِ

तो यकीनन अल्लाह आप को काफ़ी है. वही अल्लाह है जिस ने अपनी नुस्हत और धिमान वालों के अरिये

وَبِالْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۲﴾ وَالْفَ بَيْنَ قُلُوبِهِمْ ۗ لَوْ أَنْفَقْتَ

आप को कुव्वत दी. और जिस ने उन के दिलों को जोड दिया. और अगर आप खर्च कर देते

مَا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا مَا آفَتَ بَيْنَ قُلُوبِهِمْ

वो दौलत जो जमीन में है सारी की सारी तो भी उन के दिलों को जोड नहीं सकते थे,

وَلَكِنَّ اللَّهَ آفَأَ بَيْنَهُمْ ۗ إِنَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۱۳﴾

लेकिन अल्लाह ने उन के दिलों को जोड दिया. यकीनन वो ज़बरदस्त है, डिक्मत वाला है.

يَأْتِيهَا النَّبِيُّ حَسْبَكَ اللَّهُ ۗ وَمَنْ اتَّبَعَكَ

अे नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)! आप को अल्लाह काफ़ी है और वो मोमिनीन काफ़ी हैं

مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۱۴﴾ يَأْتِيهَا النَّبِيُّ حَرِضَ الْمُؤْمِنِينَ

जो आप के पीछे चल रहे हैं. अे नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)! धिमान वालों को किताल

عَلَى الْقِتَالِ ۗ إِنْ يَكُنْ مِنْكُمْ عِشْرُونَ صَابِرُونَ

पर उभारिये. अगर तुम में से भीस साभित कदम रेडने वाले होंगे

يَعْلَبُوا مَائَتِينَ ۚ وَإِنْ يَكُنْ مِنْكُمْ مِائَةٌ

तो वो गालिब आ जायेंगे दो सौ पर. और अगर तुम में से सौ होंगे

يَعْلَبُوا أَلْفًا مِّنَ الَّذِينَ كَفَرُوا بِأَنَّهُمْ قَوْمٌ

तो अेक हजार काफ़िरो पर गालिब आ जायेंगे, धिस वजह से के वो अेसी

لَا يَفْقَهُونَ ﴿۱۵﴾ أَلَنْ خَفَّفَ اللَّهُ عَنْكُمْ وَعَلِمَ

कौम है जो कुछ समजती नहीं. अब अल्लाह ने तुम से तपझीक कर दी और अल्लाह ने

أَنْ فِيكُمْ ضِعْفًا فَإِنْ يَكُنْ مِنْكُمْ مِائَةٌ صَابِرَةً

જાન લિયા કે તુમ મેં કમઝોરી હે. તો અગર તુમ મેં સે સૌ સાબિત કદમ રેહને વાલે હોંગે

يَغْلِبُوا مِائَتِينَ ۚ وَإِنْ يَكُنْ مِنْكُمْ أَلْفٌ يَغْلِبُوا

તો વો ગાલિબ આ જાઓંગે દો સૌ પર. ઓર અગર તુમ મેં સે એક હઝાર હોંગે તો ગાલિબ આઓંગે

أَلْفِينَ بِإِذْنِ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ مَعَ الصَّابِرِينَ ﴿۱۱﴾ مَا كَانَ

દો હઝાર પર અલ્લાહ કે હુકમ સે. ઓર અલ્લાહ સબ્ર કરને વાલોં કે સાથ હે. નબી કે લિયે

لِنَبِيِّ أَنْ يَكُونَ لَهُ أَسْرَى حَتَّى يُشْخَنَ

મુનાસિબ નહીં કે ઉસ કે પાસ કેદી હોં યહાં તક કે વો અચ્છી તરહ ખૂન બહા દે

فِي الْأَرْضِ ۗ تَرِيدُونَ عَرَضَ الدُّنْيَا ۗ وَاللَّهُ يُرِيدُ

ઝમીન મેં. તુમ દુન્યા કા સામાન ચાહતે હો, ઓર અલ્લાહ આખિરત

الْآخِرَةَ ۗ وَاللَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۱۲﴾ لَوْلَا كِتَابٌ

ચાહતે હે. ઓર અલ્લાહ ઝબરદસ્ત હે, હિકમત વાલે હે. અગર અલ્લાહ કી તરફ સે પેહલે સે લિખી હુઈ તહરીર

مِّنَ اللَّهِ سَبَقَ لَكُمْ ۚ فِيمَا أَخَذْتُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ ﴿۱۳﴾

ન હોતી તો તુમહે ભારી અઝાબ પહોંચતા ઉસ ફિદયે કી વજહ સે જો તુમ ને લિયા. અબ તુમ

فَكُلُّوا مِمَّا غَنِمْتُمْ حَلَالًا طَيِّبًا ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ ۗ

ખાઓ ઉસ મેં સે જો તુમ ને ગનીમત કે તૌર પર હાસિલ કિયા હલાલ પાકીઝા સમજ કર ઓર અલ્લાહ

إِنَّ اللَّهَ عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۴﴾ يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ قُلْ لِمَنْ

સે ડરો. યકીનન અલ્લાહ બખ્શને વાલે, નિહાયત રહમ વાલે હે. એ નબી (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ)!

فِي أَيْدِيكُمْ مِّنَ الْأَسْرَى ۚ إِنْ يَعْلَمِ اللَّهُ فِي قُلُوبِكُمْ

આપ ફરમા દીજિયે ઉન કેદિયોં સે જો તુમહારે હાથોં મેં હેં કે અગર અલ્લાહ તુમહારે દિલોં મેં ભલાઈ માલૂમ

خَيْرًا يُؤْتِكُمْ خَيْرًا مِّمَّا أَخَذَ مِنْكُمْ وَ يُعْفِرْ لَكُمْ ۗ

કરેગા તો અલ્લાહ તુમહે ઉસ સે બેહતર દેગા જો તુમ સે લિયા ગયા ઓર તુમહારી મગફિરત કર દેગા.

وَاللَّهُ عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۵﴾ وَإِنْ يُرِيدُوا خِيَانَتَكَ

ઓર અલ્લાહ બખ્શને વાલા, નિહાયત રહમ વાલા હે. ઓર અગર વો આપ સે ખિયાનત કરના ચાહતે હે

فَقَدْ خَانُوا اللَّهَ مِنْ قَبْلُ فَأَمْكَنَ مِنْهُمْ ۗ

તો યકીનન વો અલ્લાહ સે ઈસ સે પેહલે ખિયાનત કર ચુકે હે, ફિર અલ્લાહ ને ઉન પર કુદરત દી.

وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿۴۵﴾ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا

और अल्लाह ईलम वाले, डिक्मत वाले हैं। यकीनन वो लोग जो ईमान लाअे

وَ هَاجَرُوا وَ جَاهَدُوا بِأَمْوَالِهِمْ وَ أَنْفُسِهِمْ

और जिन्हों ने डिजरत की और जिहाद किया अपने मालों और जानों के जरिये

فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَالَّذِينَ آوَوْا وَ نَصَرُوا

अल्लाह के रास्ते में और जिन्हों ने ठिकाना दिया और नुस्रत की

أُولَئِكَ بَعْضُهُمْ أَوْلِيَاءُ بَعْضٍ وَالَّذِينَ

उन में से अेक दूसरे के दोस्त हैं। और वो लोग जो ईमान

آمَنُوا وَلَمْ يُهَاجِرُوا مَا لَكُمْ مِّنْ وَلَايَتِهِمْ

लाअे और जिन्हों ने डिजरत नहीं की तो तुम्हारे लिये उन की किसी भी चीज की विलायत नहीं है

مِّنْ شَيْءٍ حَتَّىٰ يُهَاجِرُوا ۚ وَإِنِ اسْتَنْصَرُوكُمْ

(न ईर्स की, न गनीमत की) जब तक के वो डिजरत न करें। और अगर वो तुम से दीन

فِي الدِّينِ فَعَلَيْكُمْ النَّصْرُ إِلَّا عَلَىٰ قَوْمٍ بَيْنَكُمْ

में मदद तलब करें तो तुम पर मदद करना जरूरी है मगर ऐसी कौम के भिलाई के तुम्हारे

وَ بَيْنَهُمْ مِّيثَاقٌ ۗ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۴۶﴾

और उन के दरमियान मुआहदा हो। और अल्लाह तुम्हारे कामों को देख रहे हैं।

وَالَّذِينَ كَفَرُوا بَعْضُهُمْ أَوْلِيَاءُ بَعْضٍ ۗ

और वो जो काफिर हैं, वो उन में से अेक दूसरे के दोस्त हैं।

إِلَّا تَفْعَلُوا تَكُنْ فِتْنَةٌ فِي الْأَرْضِ وَ فَسَادٌ

अगर तुम ऐसा नहीं करोगे तो जमीन में फिन्ना हो जाअेगा और भडा

كَبِيرٌ ﴿۴۷﴾ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَ هَاجَرُوا وَ جَاهَدُوا

इसाद डोगा। और वो लोग जो ईमान लाअे और जिन्हों ने डिजरत की और जिहाद किया

فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَالَّذِينَ آوَوْا وَ نَصَرُوا أُولَئِكَ

अल्लाह के रास्ते में और जिन्हों ने ठिकाना दिया और नुस्रत की, यही

هُمُ الْمُؤْمِنُونَ حَقًّا ۗ لَهُمْ مَّغْفِرَةٌ وَرِزْقٌ كَرِيمٌ ﴿۴۸﴾

डकीकी मोमिन हैं। उन के लिये मगफिरत है और ईजजत वाली रोजी है।

وَالَّذِينَ آمَنُوا مِنْ بَعْدُ وَهَاجَرُوا وَجَاهَدُوا مَعَكُمْ

और वो जो ईमान लाये उस के बाद और हिजरत की और तुम्हारे साथ ज़िहाद किया

فَأُولَئِكَ مِنْكُمْ وَأُولُوا الْأَرْحَامِ بَعْضُهُمْ أَوْلَىٰ

तो ये लोग तुम ही में से हैं. और करीबी रिश्तेदार उन में से अक दूसरे

بِبَعْضٍ فِي كِتَابِ اللَّهِ إِنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ۝

के ज्यादा उकदार हैं अल्लाह की किताब में. यकीनन अल्लाह हर चीज़ को पूरा जानने वाले हैं.

إِيَّاهُمْ ١٢٩ (٩) سُورَةُ التَّوْبَةِ مَكِّيَّةٌ (١١٣) رُكُوعَاتُهَا ١٧

और १६ रूकूअ हैं सूराअे तौबा मदीना में नाज़िल हुई उस में १२८ आयतें हैं

بِرَاءَةً مِّنَ اللَّهِ وَرَسُولِهِ إِلَى الَّذِينَ عَاهَدْتُمْ

अल्लाह और उस के रसूल की तरफ़ से बराअत (का अैलान) है उन मुशरिकीन की तरफ़ जिन से

مِّنَ الْمُشْرِكِينَ ۝ فَسِيحُوا فِي الْأَرْضِ أَرْبَعَةَ

तुम ने मुआहदा किया था. के (मुशरिको!) तुम जमीन में चलो फिरो चार

أَشْهُرٍ وَعَاعِلُوا أَنكُمُ غَيْرُ مُعْجِزِي اللَّهِ ۝

महीने तक और तुम जान लो के तुम अल्लाह को आजिज़ नहीं कर सकोगे,

وَأَنَّ اللَّهَ مُخْزِي الْكَافِرِينَ ۝ وَأَذَانٌ مِّنَ اللَّهِ

और ये के अल्लाह काफ़िरो को रुस्वा करने वाले हैं. और अल्लाह और उस के रसूल की तरफ़ से तमाम

وَرَسُولِهِ إِلَى النَّاسِ يَوْمَ الْحَجِّ الْأَكْبَرِ أَنَّ اللَّهَ

ई-सानों की तरफ़ आम अैलान है उज्जे अकबर के दिन के अल्लाह

بَرِيءٌ مِّنَ الْمُشْرِكِينَ ۝ وَرَسُولُهُ ۝ فَإِنْ تُبْتُمْ

बरी है मुशरिकीन से और उस का रसूल भी बरी है. फिर अगर तुम तौबा करो

فَهُوَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَإِنْ تَوَلَّيْتُمْ فَأَعْلَمُوا أَنكُمُ غَيْرُ

तो ये तुम्हारे लिये बेउतर है. और अगर इग़रदानी करो तो जान लो के अल्लाह को (भाग कर)

مُعْجِزِي اللَّهِ ۝ وَبَشِّرِ الَّذِينَ كَفَرُوا بِعَذَابٍ

तुम आजिज़ नहीं कर सकते. और आप काफ़िरो को दहनाक अजाब की बशारत

أَلِيمٍ ۝ إِلَّا الَّذِينَ عَاهَدْتُمْ مِّنَ الْمُشْرِكِينَ

सुना दीजिये. मगर उन को जिन मुशरिकीन से तुम ने मुआहदा कर रखा था

ثُمَّ لَمْ يَنْقُصُوكُمْ شَيْئًا وَلَمْ يُظَاهِرُوا عَلَيْكُمْ

झिरे उनहों ने तुम से किसी चीज की कमी नहीं की और उनहों ने तुम्हारे खिलाफ किसी की मदद

أَحَدًا فَاتَّبَعُوا إِلَيْهِمْ عَهْدَهُمْ إِلَىٰ مُدَّتِهِمْ ۖ

नहीं की, तो तुम उन के साथ उन के मुआहदे को पूरा करो उस की मुदत तक.

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَّقِينَ ۝ فَإِذَا أَسْلَخَ الشَّهْرُ

यकीनन अल्लाह मुत्तकियों से मडब्बत करते हैं. झिरे जब हुरमत वाले महीने गुजर

الْحَرَمِ فَاقْتُلُوا الْمُشْرِكِينَ حَيْثُ وَجَدْتُمُوهُمْ

जाओं तो मुशरिकीन को कतल करो जहां उन को पाओ

وَ خُدُّوهُمْ وَأَحْصُرُوهُمْ وَأَقْعُدُوا لَهُمْ كُلَّ مَرْصِدٍ

और उन को पकडो और उन को कैद करो और तुम उन के लिये हर ताकने की जगा में बैडो.

فَإِنْ تَابُوا وَ أَقَامُوا الصَّلَاةَ وَآتَوُا الزَّكَاةَ

झिरे अगर वो तौबा कर लें और नमाज काईम करें और जकात दें

فَخَلُّوا سَبِيلَهُمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۝

तो उन का रास्ता छोड दो. यकीनन अल्लाह बफ्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं. और अगर

وَإِنْ أَحَدٌ مِّنَ الْمُشْرِكِينَ اسْتَجَارَكَ فَأَجِرْهُ حَتَّىٰ يَسْمَعَ

मुशरिकीन में से कोई आप से पनाह तलब करे तो आप उस को पनाह दे दीजिये यहां तक के वो

كَلِمَ اللَّهِ ثُمَّ أَبْلِغْهُ مَا مَنَعَهُ ۚ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ

अल्लाह के कलाम को सुने, झिरे उस को उस के अमन की जगा तक पडोंया दीजिये. ये ईस वजह

قَوْمٌ لَّا يَعْلمُونَ ۚ كَيْفَ يَكُونُ لِلْمُشْرِكِينَ

से के ये औसी कोम है जो जानती नहीं. मुशरिकीन के लिये कैसे मुआहदा बाकी रहे

عَهْدٌ عِنْدَ اللَّهِ وَ عِنْدَ رَسُولِهِ إِلَّا الَّذِينَ

सकता है अल्लाह और उस के रसूल के पास मगर हां, जिन से

عُهِدَتْكُمْ عِنْدَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ فَمَا اسْتَقَامُوا

तुम ने मस्जिद हाराम के पास मुआहदा किया था. झिरे वो तुम्हारे लिये जब तक सीधे

لَكُمْ فَاسْتَقِيمُوا لَهُمْ ۖ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُتَّقِينَ ۝

रहें तुम भी उन के लिये सीधे रहो. यकीनन अल्लाह मुत्तकियों से मडब्बत इरमाते हैं.

كَيْفَ وَإِنْ يَظْهَرُوا عَلَيْكُمْ لَا يَرْقُبُوا فِيكُمْ

कैसे (मुआहदा बाकी रहे सकता है) हालांकि अगर वो तुम पर गालिब आ जायें तो तुम्हारे बारे में

إِلَّا وَلَا ذِمَّةٌ يُرْضَوْنَكُمْ بِأَفْوَاهِهِمْ وَتَأْبَى

वो परवा न करें रिश्तेदारी और अहद की. वो तुम्हें अपने मुँह से पुरा करते हैं हालांकि उन के दिल धर-कार

قُلُوبُهُمْ ۚ وَ أَكْثَرُهُمْ فَسِقُونَ ۝۸ اِشْتَرَوْا بِآيَاتِ

करते हैं. और उन में से अक्सर नाफरमान हैं. उन-हों ने अल्लाह की आयात

اللَّهِ ثَمَنًا قَلِيلًا فَصَدُّوا عَنْ سَبِيلِهِ ۚ إِنَّهُمْ

के बदले थोड़ी कीमत ली, फिर उन-हों ने अल्लाह के रास्ते से रोका. यकीनन

سَاءَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۝۹ لَا يَرْقُبُونَ

भुरे हैं वो काम जो वो कर रहे हैं. वो परवा नहीं करते

فِي مُؤْمِنٍ إِلَّا وَلَا ذِمَّةٌ ۚ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُعْتَدُونَ ۝۱۰

किसी मोमिन के बारे में रिश्तेदारी और जिम्मे की. और वही लोग जयाहती करने वाले हैं.

فَإِنْ تَابُوا وَ أَقَامُوا الصَّلَاةَ وَآتَوُا الزَّكَاةَ

फिर अगर वो तौबा कर लें और नमाज कायम करें और जकात दें

فَأَخْوَانُكُمْ فِي الدِّينِ ۚ وَ نَفَصَلُ الْآيَاتِ لِقَوْمٍ

तो वो दीन में तुम्हारे भाई हैं. और हम आयतों को तफसील से बयान करते हैं ऐसी कौम के लिये

يَعْلَمُونَ ۝۱۱ وَإِنْ نَكَثُوا أَيْمَانَهُمْ مِنْ بَعْدِ

जो जानती है. और अगर वो अपनी कस्में तोड़ें अपने मुआहदे

عَهْدِهِمْ وَ طَعَنُوا فِي دِينِكُمْ فَقَاتِلُوا أُمَّةَ

के बाद और तुम्हारे दीन में तानाजनी करें तो तुम कुछ के सरगनों से किताल करो,

الْكُفْرِ ۚ إِنَّهُمْ لَا أَيْمَانَ لَهُمْ لَعَلَّهُمْ يَنْتَهُونَ ۝۱۲

ईस लिये के उन को कस्मों की कोई परवाह नहीं, (उन से किताल करो) ताके वो भाज आ जायें.

إِلَّا تُقَاتِلُونَ قَوْمًا نَكَثُوا أَيْمَانَهُمْ وَ هُمُ

तुम किताल कयूं नहीं करते ऐसी कौम से जिन्हों ने अपनी कस्मों को तोडा और जिन्हों ने रसूल को

بِأَخْرَاجِ الرَّسُولِ وَهُمْ بَدَّءُوكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ ۚ

निकालने का धरादा किया और उन-हों ने तुम से (नकले अहद में) पेडेल की.

أَتَخْشَوْنَهُمْ ۚ فَاللَّهُ أَحَقُّ أَنْ تَخْشَوْهُ إِنْ كُنْتُمْ

क्या तुम उन से डरते हो? डालांके अल्लाह उस का जयादा डकदार है के उस से डरो अगर तुम

مُؤْمِنِينَ ﴿١١﴾ قَاتِلُوهُمْ يُعَذِّبُهُمُ اللَّهُ بِأَيْدِيكُمْ

मोमिन हो. उन से किताल करो ताके अल्लाह तुम्हारे हाथों उनहें अजाब दे

وَ يُخْزِهِمْ وَ يَنْصُرْكُمْ عَلَيْهِمْ وَيَشْفِ صُدُورَ

और उनहें रुस्वा करे और उन के बिलाफ़ तुम्हारी नुस्तर करे और धिमान वाली कौम

قَوْمٍ مُّؤْمِنِينَ ﴿١٢﴾ وَ يُذْهِبْ غَيْظَ قُلُوبِهِمْ ۗ

के दिलों को शिफा दे. और उन के दिलों के गैज़ को दूर करे.

وَ يَتُوبُ اللَّهُ عَلَى مَنْ يَشَاءُ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ

और अल्लाह तौबा कभूल करे जिस की चाहे. और अल्लाह धल्लम वाले,

حَكِيمٌ ﴿١٣﴾ أَمْ حَسِبْتُمْ أَنْ تُتْرَكُوا وَلَمَّا يَعْلَمِ

डिकमत वाले हैं. क्या तुम ने ये गुमान कर रखा है के तुम छूट जाओगे डालांके अब तक

اللَّهُ الَّذِينَ جَاهَدُوا مِنْكُمْ وَلَمْ يَتَّخِذُوا

अल्लाह ने मालूम नहीं किया उन को जो तुम में से मुजाहिद हैं और उनहों ने अल्लाह

مِنْ دُونِ اللَّهِ وَلَا رَسُولِهِ وَلَا الْمُؤْمِنِينَ وَلِيجَةً ۗ

के अलावा और उस के रसूल और धिमान वालों के अलावा किसी को राजदार नहीं बनाया.

وَاللَّهُ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿١٤﴾ مَا كَانَ لِلْمُشْرِكِينَ

और अल्लाह को ખबर है उन कामों की जो तुम करते हो. मुशरिकीन का काम नहीं है

أَنْ يَعْمُرُوا مَسْجِدَ اللَّهِ شَاهِدِينَ عَلَىٰ أَنْفُسِهِمْ

के वो अल्लाह की मसजिदों को आभाद करें धिस डाल में के वो अपने बिलाफ़ कुफ़ की गवाडी देने

بِالْكَفْرِ ۗ أُولَٰئِكَ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ ۗ وَفِي النَّارِ

वाले हैं. यही लोग हैं के उन के आमाल डभत हो गये. और वही दोजभ में डमेशा

هُمْ خَالِدُونَ ﴿١٥﴾ إِنَّمَا يَعْمُرُ مَسْجِدَ اللَّهِ مَنْ آمَنَ

रेडने वाले हैं. अल्लाह की मसजिद को सिर्फ़ वही लोग आभाद करते हैं जो धिमान लाये हैं

بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَ أَقَامَ الصَّلَاةَ وَ آتَى الزَّكَاةَ

अल्लाह पर और आबिरी दिन पर और नमाज काधम करते हैं और जकत देते हैं

وَلَمْ يَخْشَ إِلَّا اللَّهَ فَقَسَىٰ أُولَٰئِكَ أَنْ يَكُونُوا

और नहीं डरते मगर अल्लाह से, तो उम्मीद है के ये लोग खिदायतयाफ़ता

مِنَ الْمُهْتَدِينَ ﴿١٨﴾ أَجَعَلْتُمْ سِقَايَةَ الْحَاجِّ

लोगों में से डों. क्या तुम ने हाजियों के पानी पिलाने और मस्जिदें डराम के

وَ عِمَارَةَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ كَمَنْ أَمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ

आबाद करने को उस शप्स की तरड बना दिया जो अल्लाह पर धिमान रभता है और आभिरी

الْآخِرِ وَ جَاهِدَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ لَا يَسْتَوُونَ

दिन पर और अल्लाह के रास्ते में जिहाद करता है. अल्लाह के नजदीक

عِنْدَ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ﴿١٩﴾ الَّذِينَ

ये सभ बराबर नहीं डो सकते. और अल्लाह जालिम कौम को खिदायत नहीं देते. वो लोग

آمَنُوا وَ هَاجَرُوا وَ جَاهَدُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ

जो धिमान लाअे और जिन्हों ने खिजरत की और जिहाद किया अल्लाह के रास्ते में

بِأَمْوَالِهِمْ وَ أَنْفُسِهِمْ ۖ أَعْظَمُ دَرَجَةً عِنْدَ اللَّهِ ۗ

अपने मालों और जानों के जरिये, ये अल्लाह के नजदीक दरजे के अतेबार से जयादा बण्डे डुवे हैं.

وَ أُولَٰئِكَ هُمُ الْفَائِزُونَ ﴿٢٠﴾ يُبَشِّرُهُمْ رَبُّهُمْ

और यडी लोग काम्याब हैं. उन का रभ उन्हे बशारत देता है

بِرَحْمَةٍ مِّنْهُ وَ رِضْوَانٍ وَ جَنَّتِ لَهُمْ فِيهَا نَعِيمٌ

अपनी रडमत की और भुश्नूदी की और अैसी जन्नतों की के उन के लिये उन में दाधमी नेअमर्ते

مُقِيمٌ ﴿٢١﴾ خُلْدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۗ إِنَّ اللَّهَ عِنْدَآ

डोंगी. वो उन में डमेशा रहेंगे. यकीनन अल्लाह के पास

أَجْرٌ عَظِيمٌ ﴿٢٢﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا

भारी अजर है. अे धिमान वालो! तुम अपने

آبَاءَكُمْ وَ إِخْوَانَكُمْ أَوْلِيَاءَ إِنِ اسْتَحَبُّوا الْكُفْرَ

बाप दादा और अपने भाधयों को दोस्त मत बनाओ अगर वो धिमान के मुकाबले में

عَلَى الْإِيمَانِ ۗ وَ مَنْ يَتَوَلَّهُمْ مِّنْكُمْ فَأُولَٰئِكَ

कुड़ को पसन्द करें. और जो तुम में से उन से दोस्ती रभेगा तो वडी



هُمُ الظَّالِمُونَ ﴿١٠﴾ قُلْ إِنْ كَانَ آبَاؤُكُمْ وَأَبْنَاؤُكُمْ

लोग गुनेउगार हैं. आप इरमा दीजिये के अगर तुम्हारे बाप दादा और तुम्हारे बेटे

وَإِخْوَانُكُمْ وَأَزْوَاجُكُمْ وَعَشِيرَتُكُمْ وَأَمْوَالٌ

और तुम्हारे भाई और तुम्हारी भीवियां और तुम्हारा कभीला और वो माल जो तुम

إِفْتَرَفْتُمُوهَا وَتِجَارَةٌ تَخْشَوْنَ كَسَادَهَا

ने कमाये हैं और वो तिजारत जिस के घाटे से तुम डरते हो

وَمَسْكِنٌ تَرْضَوْنَهَا أَحَبَّ إِلَيْكُمْ مِنَ اللَّهِ

और वो मकानात जिन को तुम पसन्द करते हो, (अगर ये तमाम चीजें) तुम्हें अल्लाह और

وَرَسُولِهِ وَجِهَادٍ فِي سَبِيلِهِ فَتَرَبَّصُوا حَتَّى يَأْتِيَ

उस के रसूल और उस के रास्ते में जिहाद करने से जयादा मडबूध हैं, तो तुम मुन्तज़िर रहो यहाँ तक के

اللَّهُ بِأَمْرِهِ ۗ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْفَاسِقِينَ ﴿١١﴾

अल्लाह अपना अज़ाब ले आये. और अल्लाह नाइरमान कौम को डिहायत नहीं देते.

لَقَدْ نَصَرَكُمُ اللَّهُ فِي مَوَاطِنَ كَثِيرَةٍ ۗ وَيَوْمَ

यकीनन अल्लाह ने तुम्हारी नुस्रत इरमाई बडोत से मैदानों में, (भास तौर पर)

حُنَيْنٍ ۗ إِذْ أَعْجَبَتَكُمْ كَثْرَتُكُمْ فَلَمْ تُغْنِ عَنْكُمْ

जंगे हुनैन में, जब के तुम्हारी कसरत ने तुम्हें उजब में मुन्तला किया, फिर ये कसरत तुम्हारे

شَيْئًا وَصَاقَتْ عَلَيْكُمُ الْأَرْضُ بِمَا رَحُبَتْ

कुछ भी काम नहीं आई और जमीन तंग हो गई अपनी वुस्अत के बावजूद,

ثُمَّ وَلِيْتُم مَّدِيرِينَ ﴿١٢﴾ ثُمَّ أَنْزَلَ اللَّهُ سَكِينَتَهُ

फिर तुम पीठ इर कर भागे. फिर अल्लाह ने अपनी तसल्ली उतारी

عَلَى رَسُولِهِ وَعَلَى الْمُؤْمِنِينَ وَأَنْزَلَ جُنُودًا

अपने रसूल पर और इमान वालों पर और झैज उतारी

لَمْ تَرَوْهَا وَعَذَّبَ الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ وَذَلِكَ جَزَاءُ

जो तुम ने नहीं देयीं और अल्लाह ने काफ़िरो को अज़ाब दिया. और ये काफ़िरो

الْكٰفِرِينَ ﴿١٣﴾ ثُمَّ يَتُوبُ اللَّهُ مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ

की सज़ा है. फिर अल्लाह उस के बाद तौबा कबूल करेगे

عَلَىٰ مَنْ يَشَاءُ ۖ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۲﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

जिस की याहें. और अल्लाह बपशने वाले, निहायत रडम वाले हैं. अे धमान

أَمَنُوا إِنَّمَا الْمُشْرِكُونَ نَجَسٌ فَلَا يَقْرَبُوا الْمَسْجِدَ

वालो! मुशरिकीन तो सरापा नजसत हैं, धस लिये वो मस्जिदे डराम के करीब

الْحَرَامَ بَعْدَ عَامِهِمْ هَذَا ۖ وَإِنْ خِفْتُمْ عَيْلَةً

धस साल के बाद न जाने पाअें. और अगर तुम इकर से डरते डो तो

فَسَوْفَ يُغْنِيكُمُ اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ ۖ إِنْ شَاءَ ۖ

अनकरीब अल्लाह तुम्हें गनी कर देंगे अपने इजल से अगर याहेंगे. यकीनन अल्लाह

إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿۱۳﴾ قَاتِلُوا الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ

धल्म वाले, डिकमत वाले हैं. तुम किताल करो उन लोगों से जो (अडले किताल में से) धमान

بِاللَّهِ وَلَا بِالْيَوْمِ الْآخِرِ وَلَا يُحَرِّمُونَ مَا حَرَّمَ

नहीं रभते अल्लाह पर और आबिरी दिन पर और जो डराम नहीं करार देते उन थीजों को जो

اللَّهُ وَرَسُولُهُ وَلَا يَدِينُونَ دِينَ الْحَقِّ مِنَ الَّذِينَ

अल्लाह और उस के रसूल ने डराम करार दी हैं और दीने डक को अपना दीन नहीं बनाते,

أُوتُوا الْكِتَابَ حَتَّىٰ يُعْطُوا الْجِزْيَةَ عَن يَدٍ وَهُمْ

(किताल करो) यडं तक के वो जिजया दें अपने डथ से धस डाल में को वो

طَغْرُونَ ﴿۱۴﴾ وَ قَالَتِ الْيَهُودُ عُزَيْرٌ ابْنُ اللَّهِ

जलील भी डों. यडूह ने कडा के उजैर अल्लाह के डेटे हैं

وَقَالَتِ النَّصَارَى الْمَسِيحُ ابْنُ اللَّهِ ۖ ذَلِكَ قَوْلُهُمْ

और नसारा ने कडा के मसीह अल्लाह के डेटे हैं. ये उन की अपने मुंड से कडी डुध

بِأَفْوَاهِهِمْ ۖ يُضَاهُونَ قَوْلَ الَّذِينَ كَفَرُوا

भातें हैं. ये उन लोगों जैसी भातें करते हैं जो उन से पेडले

مَنْ قَبْلُ ۖ قَاتِلْهُمْ اللَّهُ ۗ أَلَيْسَ يُؤْفَكُونَ ﴿۱۵﴾ اتَّخَذُوا

काकिर डो युके. उन पर अल्लाह की मार डो. ये क्किधर उल्टे जा रहे हैं? उनडों ने

أَحْبَارَهُمْ وَ رَهْبَانَهُمْ أَرْبَابًا مِّن دُونِ اللَّهِ

अपने उलमा और अपने राडिबों को रब बना लिया अल्लाह को छोड कर के और रब

۲۶۶

وَالْمَسِيحَ ابْنَ مَرْيَمَ ۚ وَمَا أُمْرُوا إِلَّا لِيَعْبُدُوا

बना लिया मसीह ईसने मरयम को. डालांके भुट उन्हे लुकम नही दिया गया मगर उसी का के वो ईबादत

إِلَهًا وَاحِدًا ۚ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ سُبْحٰنَهُ عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿٣١﴾

करेंगे अेक ही माभूद की. उस के सिवा कोई माभूद नहीं. वो पाक है उन चीजों से जिन को वो शरीक

يُرِيدُونَ أَنْ يُطْفِئُوا نُورَ اللَّهِ بِأَفْوَهِهِمْ وَيَأْبَى

ठेडरा रडे हैं. वो याडते हैं के अद्लाड के नूर को अपने मुंड से भुजा दें और अद्लाड ई-कार

اللَّهُ إِلَّا أَنْ يَتَمَنَّوْا نُورَهُ وَلَوْ كَرِهَ الْكَافِرُونَ ﴿٣٢﴾

करते हैं मगर ये के वो अपने नूर को ईत्मात तक पडोंयाअें अगरये काकिर लोग नापसन्द करें.

هُوَ الَّذِي أَرْسَلَ رَسُولَهُ بِالْهُدَىٰ وَدِينِ الْحَقِّ

वही अद्लाड है जिस ने अपने रसूल को डिदायत और हीने लक दे कर भेजा

لِيُظْهِرَهُ عَلَى الدِّينِ كُلِّهِ ۚ وَلَوْ كَرِهَ الْمُشْرِكُونَ ﴿٣٣﴾

ताके उसे गालिब कर दे तमात अदयान पर अगरये मुशरिक नापसन्द करें.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِن كَثِيرًا مِّنَ الْأَحْبَارِ

अे ईमान वालो! यकीनन बडोत से उलमा

وَالرُّهْبَانِ لِيَآكُلُونَ أَمْوَالَ النَّاسِ بِالْبَاطِلِ

और राडिब लोगों के माल बातिल तरीके से खाते हैं

وَيَصُدُّونَ عَن سَبِيلِ اللَّهِ وَالَّذِينَ يَكْتُمُونَ

और अद्लाड के रास्ते से रोकते हैं. और जो भी सौना और यांही को

الذَّهَبَ وَالْفِضَّةَ وَلَا يَنْفِقُونَهَا فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۚ

भजाना कर के रभते हैं और उसे भर्थ नहीं करते अद्लाड के रास्ते में

فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ ﴿٣٤﴾ يَوْمَ يُحْمَىٰ عَلَيْهَا

तो आप उन्हे भशारत सुना दीजिये ददनाक अजाब की. जिस दिन जडन्नम की आग में

فِي نَارٍ جَهَنَّمَ فَتُكْوَىٰ بِهَا جِبَاهُهُمْ وَجُنُوبُهُمْ

उसे गर्भ किया जायेगा, किर उस के जरिये उन की पेशानी और उन के पेडलुओं और उन की

وَظُهُورُهُمْ ۗ هَذَا مَا كَنْزْتُمْ لِأَنْفُسِكُمْ فَذُوقُوا

पीठों को दागा जायेगा. (कडा जायेगा के) ये वो है जो तुम ने अपने लिये जमा किया था, तो अपने

مَا كُنْتُمْ تَكْنِزُونَ ﴿۱۰﴾ إِنَّ عِدَّةَ الشُّهُورِ

जमा करने का मजा यभा. यकीनन महीनों की तादाद

عِنْدَ اللَّهِ اثْنَا عَشَرَ شَهْرًا فِي كِتَابِ اللَّهِ يَوْمَ خَلَقَ

अल्लाह के नजदीक बारा महीने हैं अल्लाह की किताब में उस दिन से जिस दिन

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ مِنْهَا أَرْبَعَةٌ حُرْمٌ ذَلِكَ

अल्लाह ने आस्मानों और जमीन को पैदा किया, उन में से चार दुरमत वाले महीने हैं. ये

الَّذِينَ الْقِيَمَةُ فَلَا تَظْلِمُوا فِيهِنَّ أَنْفُسَكُمْ

सीधा दीन है. इस लिये तुम उन में अपनी जानों पर जुल्म न करो

وَ قَاتِلُوا الْمُشْرِكِينَ كَافَّةً كَمَا يُقَاتِلُونَكُمْ

और तमाम मुशरिकीन से किताल करो जैसा के वो तुम सब से किताल

كَافَّةً ۖ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ مَعَ الْمُتَّقِينَ ﴿۱۱﴾

करते हैं. और तुम जान लो के अल्लाह मुत्तकियों के साथ है. महीनों की तकदीम

إِنَّمَا النَّسِيءُ زِيَادَةٌ فِي الْكُفْرِ يُضِلُّ بِهِ الَّذِينَ كَفَرُوا

व ताभीर ये कुछ में जयादती है, उस के जरिये गुमराह किया जाता है उन लोगों को जो काफिर हैं के उसे अक

يُحِلُّونَهُ عَامًا ۖ وَيُحَرِّمُونَهُ عَامًا لِّيُوَاطُّوا عِدَّةَ

साल उलाल महीना बनाते हैं और अगले साल उसे हराम महीना बनाते हैं ताके वो उस तादाद के मुवाफिक

مَا حَرَّمَ اللَّهُ فَيُحِلُّوا مَا حَرَّمَ اللَّهُ ۖ زَيْنٌ لَهُمْ سُوءٌ

बना है जिसे अल्लाह ने दुरमत वाला बनाया, के फिर वो उलाल कर ले उसे जिस को अल्लाह ने दुरमत वाला

أَعْمَالِهِمْ ۖ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْكَافِرِينَ ﴿۱۲﴾

बनाया. उन के लिये उन की बद्दअमली मुजय्यन की गई. और अल्लाह काफिर कौम को छिदायत

يَأْتِيهَا الَّذِينَ آمَنُوا مَا لَكُمْ إِذَا قِيلَ لَكُمْ

नहीं देते. अे धिमान वालो! तुम्हें क्या हुवा जब तुम से कडा जाता है के

أَنْفَرُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ أَثَأَقَلْتُمْ إِلَى الْأَرْضِ ۖ

तुम निकलो अल्लाह के रास्ते में तो तुम जमीन को लगे जाते हो.

أَرْضَيْتُمْ بِالْحَيَاةِ الدُّنْيَا مِنَ الْآخِرَةِ ۖ فَمَا مَتَاعٌ

क्या तुम आभिरत के मुकाबले में दुन्यवी जिन्दगी पर राजी हो गये? जब के दुन्यवी जिन्दगी का झंझडा

الْحَيَاةِ الدُّنْيَا فِي الْآخِرَةِ إِلَّا قَلِيلٌ ﴿١٠﴾ إِلَّا تَنْفَرُوا

उठाना आभिरत के मुकाबले में नहीं है मगर थोडा. अगर तुम (अल्लाह के रास्ते में जिहाद के लिये) नहीं निकलोगे

يُعَذِّبُكُمْ عَذَابًا أَلِيمًا ۖ وَيَسْتَبْدِلْ قَوْمًا غَيْرَكُمْ

तो अल्लाह तुम्हें दंडनाक अजाब देगा और तुम्हारे अलावा दूसरी कौम को बदले में ले आयेगा

وَلَا تَصْرُوهَا شَيْئًا ۗ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿١١﴾

और तुम अल्लाह को जरा भी ज़र नही पड़ोया सकोगे. और अल्लाह हर चीज़ पर कुदरत वाले हैं. अगर तुम आप

إِلَّا تَنْصُرُوهُ فَقَدْ نَصَرَهُ اللَّهُ إِذْ أَخْرَجَهُ الَّذِينَ

(सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) की नुस्रत नहीं करोगे तो यकीनन अल्लाह आप की नुस्रत कर चुका है जब

كَفَرُوا ثَانِي اثْنَيْنِ إِذْ هُمَا فِي الْغَارِ إِذْ يَقُولُ

आप को काफ़िरो ने वतन से निकला था धंस डाल मेंके आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) दो मेंसे दूसरे थे, जब के वो

لِصَاحِبِهِ لَا تَحْزَنْ إِنَّ اللَّهَ مَعَنَا ۗ فَأَنْزَلَ اللَّهُ

दोनों गार में थे जब आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) अपने साथी से झरमा रहे थे के गम न करो, यकीनन

سَكِينَتَهُ عَلَيْهِ ۖ وَآيِدَاهُ بِجُنُودٍ لَّمْ تَرَوْهَا

अल्लाह हमारे साथ है. फिर अल्लाह ने अपना सकीना उन पर उतारा और उन की मदद की जैसे लश्करो के

وَجَعَلَ كَلِمَةَ الَّذِينَ كَفَرُوا السُّفْلَىٰ ۗ وَكَلِمَةُ

ज़रिये जिन को तुम ने देखा नहीं और अल्लाह ने काफ़िरो के कलिमे को नीचे वाला बना दिया. और

اللَّهُ هِيَ الْعُلْيَا ۗ وَاللَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿١٢﴾ انْفِرُوا

अल्लाह का कलिमा ही भुलन्द है. और अल्लाह जबरदस्त है, हिकमत वाला है. निकलो

خِفَافًا وَثِقَالًا ۗ وَجَاهِدُوا بِأَمْوَالِكُمْ وَأَنْفُسِكُمْ

उल्के डोने की डालत में और भोजल डोने की डालत में और तुम जिहाद करो मालों और जानों

فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنْتُمْ

के ज़रिये अल्लाह के रास्ते में. ये तुम्हारे लिये बेडतर है अगर तुम

تَعْلَمُونَ ﴿١٣﴾ لَوْ كَانَ عَرَضًا قَرِيبًا ۖ وَسَفَرًا قَاصِدًا

जानते डो. अगर करीब ही माल डो और दरमियाना सफ़र डो

لَاتَّبَعُوكَ وَلَٰكِن بَعُدَتْ عَلَيْهِمُ الشُّقَّةُ ۗ

तो ज़रर वो आप के पीछे डो लेते, लेकिन उन्हें सफ़र भशकत भरा, दूर मालूम डुवा.

وَ سَيَحْلِفُونَ بِاللَّهِ لَوِ اسْتَطَعْنَا لَخَرَجْنَا مَعَكُمْ ٤

और अब वो (मुनाफ़िक़ीन) अद्लाह की कसमें पाअगे के अगर हमें इस्तिताअत होती तो हम ज़र तुम्हारे

يُهْلِكُونَ أَنْفُسَهُمْ ٥ وَاللَّهُ يَعْلَمُ إِنَّهُمْ لَكَاذِبُونَ ٦

साथ निकलते. वो अपने आप को उलाक कर रहे हैं. और अद्लाह जानता है के यकीनन वो जूठे हैं.

عَفَا اللَّهُ عَنْكَ ٧ لِمَ أَذِنْتَ لَهُمْ حَتَّى يَتَّبِعِنَ

अद्लाह ने आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) को माफ़ कर दिया. आप ने उन मुनाफ़िक़ीन को इजाजत

لَكَ الَّذِينَ صَدَقُوا وَ تَعْلَمَ الْكَاذِبِينَ ٨

कयूं ही यहां तक के आप के सामने अलग हो जाते वो जो सच्ये हैं और आप जूठों को जान लेते.

لَا يَسْتَأْذِنُكَ الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

आप से इजाजत नहीं मांगते वो लोग जो इमान रभते हैं अद्लाह पर और आभिरी दिन पर

أَنْ يُجَاهِدُوا بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ وَاللَّهُ عَلَيْهِمْ

के वो जिहाद करें अपने मालों से और अपनी जानों से. और अद्लाह मुत्कियों को

بِالْبَتِّينَ ٩ إِنَّمَا يَسْتَأْذِنُكَ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ

भूष जानते हैं. आप से तो वही लोग इजाजत तलभ करते हैं जो इमान नहीं रभते

بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَارْتَابَتْ قُلُوبُهُمْ فَهُمْ

अद्लाह पर और आभिरी दिन पर और उन के दिल शक करते हैं, फिर वो

فِي رَيْبِهِمْ يَتَرَدَّدُونَ ١٠ وَلَوْ أَرَادُوا الْخُرُوجَ

अपने शक में हैरान हैं. और अगर वो निकलने का इरादा करते

لَأَعَدُّوا لَهُ عُدَّةً وَ لَكِن كَرِهَ اللَّهُ انْبِعَاثَهُمْ

तो ज़र उस के लिये तैयारी भी करते, लेकिन अद्लाह ने नापसन्द इरमाया उन का उठना,

فَتَبَطَّأَهُمْ وَ قِيلَ اقْعُدُوا مَعَ الْقَاعِدِينَ ١١

इस लिये उन को पडा रेडने दिया और कडा गया के तुम बैठे रहो बैठे रेडने वालों के साथ.

لَوْ خَرَجُوا فِيكُمْ مَا زَادُوكُمْ إِلَّا خَبَالًا وَلَا أَوْضَعُوا

अगर वो तुम में शामिल हो कर निकलते भी तो वो तुम्हारा नुकसान ही जयादा करते और अलभता तेज

خَلَاكِكُمْ يَبْغُونَكُمْ الْفِتْنَةَ ١٢ وَ فِيكُمْ سَاعُونَ

दौडते फिरते तुम्हारे दरमियान इत्ने की गर्ज से. और तुम में उन के लिये कुछ कान लगाने वाले

لَهُمْ ۖ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِالظَّالِمِينَ ﴿٢٤﴾ لَقَدْ ابْتَعُوا

(जासूस) हैं। और अल्लाह जालिमों को भूख जानते हैं। यकीनन उनको ने इस से पेहले भी

الْفِتْنَةَ مِنْ قَبْلُ وَ قَلَّبُوا لَكَ الْأُمُورَ حَتَّى جَاءَ

झिन्ना भरपा करना था और आप के सामने उमूर को उलट पलट कर के पेश किया यहाँ तक के तक

الْحَقُّ وَ ظَهَرَ أَمْرُ اللَّهِ وَهُمْ كَرِهُونَ ﴿٢٥﴾ وَمِنْهُمْ

आ गया और अल्लाह का अम्र वाजिब हो गया इस हाल में के वो नापसन्द कर रहे थे। और उन में से वो भी हैं

مَنْ يَقُولُ انْذَنْ لِي وَلَا تَفْتِنِّي ۖ أَلَا فِي الْفِتْنَةِ

जो कहते रहे थे के आप मुझे ईजाजत दीजिये और मुझे झिन्ने में न डालिये। सुनो! झिन्ने में तो वो

سَقَطُوا ۖ وَإِنَّ جَهَنَّمَ لَمُحِيطَةٌ بِالْكَافِرِينَ ﴿٢٦﴾

गिर चुके हैं। और यकीनन जहन्नम काफ़िरों को घेरे हुवे है।

إِنْ تُصِيبَكَ حَسَنَةٌ تَسُؤْهُمْ ۖ وَإِنْ تُصِيبَكَ مُصِيبَةٌ

अगर आप को भलाई पड़ोये तो उन्हें बुरी लगती है। और अगर आप को मुसीबत पड़ोये

يَقُولُوا قَدْ أَخَذْنَا أَمْرًا مِنْ قَبْلُ وَ يَتَوَلَّوْا

तो कहते हैं के हम ने इस से पेहले हमारे मुआमले में ईलतियात को ले लिया था और वो दौटते हैं

وَهُمْ فَرِحُونَ ﴿٢٧﴾ قُلْ لَنْ يُصِيبَنَا إِلَّا مَا كَتَبَ

इस हाल में के वो भुश होते हैं। आप इरमा दीजिये के हरगिज हमें नहीं पड़ोयेगा मगर वही जो अल्लाह

اللَّهُ لَنَا ۖ هُوَ مَوْلَانَا ۖ وَ عَلَى اللَّهِ فَايَتُوكُلِّ

ने हमारे लिये लिख दिया है। वही हमारा मौला है। और अल्लाह ही पर ईमान वालों को तवक्कुल

الْمُؤْمِنُونَ ﴿٢٨﴾ قُلْ هَلْ تَرَبَّصُونَ بِنَا إِلَّا أَحَدَى

करना चाहिये। आप इरमा दीजिये के तुम हमारे बारे में मुन्तज़िर नहीं हो मगर दो भलाईयों में

الْحَسَنِينَ ۖ وَحُنْ نَتَرَبَّصُ بِكُمْ أَنْ يُصِيبَكُمْ

से अक के। और हम भी तुम्हारे लिये मुन्तज़िर हैं इस के के अल्लाह

اللَّهُ بِعَذَابٍ مِّنْ عِنْدِهِ أَوْ بِأَيْدِينَا ۖ فَتَرَبَّصُوا

तुम्हें अपनी तरफ़ से या हमारे हाथ से अजाब पड़ोयाये। तो तुम मुन्तज़िर रहो,

إِنَّا مَعَكُمْ مُّتَرَبَّصُونَ ﴿٢٩﴾ قُلْ أَنْفِقُوا طَوْعًا

यकीनन हम तुम्हारे साथ मुन्तज़िर हैं। आप इरमा दीजिये के तुम भुशी से खर्च करो

أَوْ كَرِهًا لَّنَ يَتَّقِبَلْ مِنْكُمْ ۖ إِنَّكُمْ كُنْتُمْ قَوْمًا

या जबरदस्ती, हरगिज तुम्हारी तरफ़ से कबूल नहीं किया जाएगा. इस लिये के तुम नाइरमान

فَسِيقِينَ ﴿۴۷﴾ وَمَا مَنَعَهُمْ أَنْ تُقْبَلَ مِنْهُمْ نَفَقَتُهُمْ

लोग डो. और उन को मानेअ नहीं हुवा इस से के उन की तरफ़ से उन के सहकात कबूल किये जायें

إِلَّا أَنَّهُمْ كَفَرُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ وَلَا يَأْتُونَ

भगर ये के उन्हीं ने कुड़ किया अल्लाह और उस के रसूल के साथ और वो नमाज में नहीं आते

الصَّلَاةَ إِلَّا وَهُمْ كُسَالَى وَلَا يُنْفِقُونَ إِلَّا وَهُمْ

भगर इस डाल में के वो सुस्त डोते हैं और वो भय नहीं करते भगर इस डाल में के वो

كِرْهُونَ ﴿۴۸﴾ فَلَا تَعْجِبْكَ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ ۖ

नापसन्द करते हैं. इस लिये आप को उन के माल और उन की औलाद अख़ी न लगें.

إِنَّمَا يُرِيدُ اللَّهُ لِيُعَذِّبَهُمْ بِهَا فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا

अल्लाह तो सिर्फ़ ये याडता है के उन्हे उस के जरिये अजाब दे दुन्यवी जिन्दगी में

وَتَرْهَقَ أَنفُسَهُمْ وَهُمْ كَافِرُونَ ﴿۴۹﴾ وَيَحْلِفُونَ

और उन की ज़ान निकले इस डाल में के वो काफ़िर डों. और वो अल्लाह की

بِاللَّهِ إِنَّهُمْ لَبَيْنَكُمْ ۖ وَمَا هُمْ مِنْكُمْ وَلَكِنَّهُمْ

कसम भाते हैं के यकीनन वो तुम में से हैं, डालांके वो तुम में से नहीं हैं, लेकिन वो

قَوْمٌ يَفْرَقُونَ ﴿۵۰﴾ لَوْ يَجِدُونَ مَلْجَأًا أَوْ مَغْرَبًا

अैसी कौम है जो डरती है. अगर वो पायें कोर पनाड लेने की जगा या कोर गार या कोर घुसने की

أَوْ مَدْخَلًا لَّوَلُوا إِلَيْهِ وَهُمْ يَجْمَحُونَ ﴿۵۱﴾ وَ مِنْهُمْ

जगा तो वो उडर उस की तरफ़ भागेंगे इस डाल में के वो सरो को उंया किये हुवे डोंगे. और उन

مَنْ يَلْبِزُكَ فِي الصَّدَقَاتِ ۚ فَإِنْ أُعْطُوا مِنْهَا

में से कुछ लोग वो हैं जो आप को सहकात के बारे में ताना देते हैं. फिर अगर उन्हे सहकात में

رَضُوا وَإِنْ لَّمْ يُعْطُوا مِنْهَا إِذَا هُمْ يَسْخَطُونَ ﴿۵۲﴾

से कुछ दिया जाये तो राजी डो जाते हैं और अगर उन्हे सहकात में से कुछ न दिया जाये तो नाराज डो

وَلَوْ أَنَّهُمْ رَضُوا مَا آتَاهُمُ اللَّهُ وَرَسُولُهُ ۚ

जाते हैं. और अगर वो राजी रेडते उस पर जो अल्लाह और उस का रसूल उन को देते हैं



وَقَالُوا حَسْبُنَا اللَّهُ سَيُؤْتِينَا اللَّهُ مِنْ فَضْلِهِ

और वो केहते के अल्लाह उमें काफ़ी है, अल्लाह उमें अपने इज़ाल से अनकरीब देगा और उस

وَرَسُولَهُ ۚ إِنَّا إِلَى اللَّهِ رَغْبُونَ ﴿٥٩﴾ إِنَّمَا الصَّدَقَتُ

का रसूल भी देगा. यकीनन उम तो अल्लाह की तरफ़ रग़बत करने वाले हैं (तो अच्छा होता).

لِلْفُقَرَاءِ وَالْمَسْكِينِ وَالْعَمِلِينَ عَلَيْهَا

सदक़ात तो सिर्फ़ इकरा और मसाकीन और सदक़ात पर काम करने वालों और जिन की

وَالْمُؤَلَّفَةِ قُلُوبُهُمْ وَفِي الرِّقَابِ وَالْغَرَمِينَ

तालीक़े कलम मकसूद हो उन का उक है और सदक़ात गुलामों की गर्दन आजाद कराने में और जो मक़र्र

وَفِي سَبِيلِ اللَّهِ وَابْنِ السَّبِيلِ ۖ فَرِيضَةً

हो उन में और अल्लाह के रास्ते में और मुसाफ़िरो के लिये है अल्लाह की तरफ़ से इरीज़े के तोर पर. और अल्लाह

مِّنَ اللَّهِ ۖ وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ﴿٦٠﴾ وَمِنْهُمْ الَّذِينَ

ईल्म वाले, डिक्मत वाले हैं और उन लोगो में से वो भी हैं जो नबीअे अकरम (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)

يُؤْذُونَ النَّبِيَّ وَيَقُولُونَ هُوَ أذُنٌ ۖ قُلْ أذُنٌ

को ईजा पड़ोयाते हैं और केहते हैं के ये तो कान हैं. आप इरमा दीजिये के तुम्हारे लले के लिये कान हैं जो

خَيْرٌ لَّكُمْ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَ يُؤْمِنُ لِلْمُؤْمِنِينَ

ईमान रभते हैं अल्लाह पर और तस्दीक करते हैं ईमान वालों की

وَرَحْمَةً لِّلَّذِينَ آمَنُوا مِنْكُمْ ۖ وَالَّذِينَ

और रउमत हैं तुम में से मोमिनीन के लिये, और जो अल्लाह के रसूल

يُؤْذُونَ رَسُولَ اللَّهِ لَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿٦١﴾

को ईजा पड़ोयाओगे, उन के लिये दर्दनाक अजाब है.

يَخْلِفُونَ بِاللَّهِ لَكُمْ لِيَرْضَوْكُمْ ۖ وَاللَّهُ وَرَسُولُهُ

वो अल्लाह की कस्में भाते हैं तुम्हारे सामने ताके तुम्हें राज़ी कर दें. डालांके अल्लाह और उस का रसूल

أَحَقُّ أَنْ يَرْضَوْهُ ۚ إِنَّ كَانُوا مُؤْمِنِينَ ﴿٦٢﴾

उस के ज़यादा उकदार हैं के वो उन को राज़ी करें अगर वो ईमान वाले हैं.

أَلَمْ يَعْلَمُوا أَنَّهُ مَنْ يُحَادِدِ اللَّهَ وَرَسُولَهُ فَأَنَّ

क्या उन्हें मालूम नहीं के जो भी अल्लाह और उस के रसूल की मुपालफ़त करेगा तो यकीनन

۵۹

۶۱

لَهُ نَارَ جَهَنَّمَ خَالِدًا فِيهَا ۗ ذَلِكَ الْخِزْيُ

उस के लिये जहन्नम की आग है जिस में वो हमेशा रहेगा. ये तारी

الْعَظِيمِ ﴿٣٦﴾ يَحْذَرُ الْمُنْفِقُونَ أَنْ تَنْزَلَ عَلَيْهِمْ

रुस्वाँ है. मुनाफ़िक इस से डरते हैं के उन पर कोई सूरत उतारी जाये जो जबर

سُورَةً تَنْبِئُهُمْ بِمَا فِي قُلُوبِهِمْ ۗ قُلْ اسْتَهِزْءُوا ۗ

देती हो उन को उन चीजों की जो उन के दिलों में है. आप इरमा दीजिये के तुम मजाक उडाते रहो.

إِنَّ اللَّهَ مُخْرِجٌ مَّا تَحْذَرُونَ ﴿٣٧﴾ وَلَئِنْ سَأَلْتَهُمْ

यकीनन अल्लाह उसे जाडिर करेगा जिस से तुम डरते हो. और अगर आप उन से सवाल करे

لَيَقُولَنَّ إِنَّمَا كُنَّا نَخُوضُ وَ نَلْعَبُ ۗ قُلْ أَبِاللَّهِ

तो ज़र कहेगे के हम तो सिर्फ़ हिललगी और भेल कर रहे थे. आप इरमा दीजिये के क्या अल्लाह

وَآيَاتِهِ وَ رَسُولِهِ كُنْتُمْ تَسْتَهْزِءُونَ ﴿٣٨﴾

के साथ और उस की आयतों और उस के रसूल के साथ तुम मजाक करते हो?

لَا تَعْتَدِرُوا قَدْ كَفَرْتُمْ بَعْدَ إِيمَانِكُمْ ۗ إِنَّ تَعْفُ

तुम उजर मत पेश करो, यकीनन तुम काफ़िर हो गये तुम्हारे इमान लाने के बाद. अगर हम

عَنْ طَائِفَةٍ مِّنْكُمْ نُعَذِّبُ طَائِفَةً ۗ بِآثِمِهِمْ

तुम में से अक जमाअत को माफ़ करेगे तो अक जमाअत को अजाब देगे इस बिना पर

كَانُوا مُجْرِمِينَ ﴿٣٩﴾ الْمُنْفِقُونَ وَالْمُنْفِقَاتُ بَعْضُهُمْ

के वो मुजरिम थे. मुनाफ़िक मर्द और मुनाफ़िक औरतें उन में से

مِّنْ بَعْضٍ ۗ يَأْمُرُونَ بِالْمُنْكَرِ وَ يَنْهَوْنَ

अक दूसरे से हैं. वो बुराई का हुकम देते हैं और भलाई से

عَنِ الْمَعْرُوفِ وَ يَقْبِضُونَ أَيْدِيَهُمْ ۗ نَسُوا اللَّهَ

रोकते हैं और अपने हाथों को बन्द रभते हैं. उनहों ने भुला दिया अल्लाह को,

فَنَسِيَهُمْ ۗ إِنَّ الْمُنْفِقِينَ هُمُ الْفٰسِقُونَ ﴿٤٠﴾ وَعَدَّ

फ़िर अल्लाह ने भी उनहें भुला दिया. यकीनन मुनाफ़िक वही नाइरमान हैं. अल्लाह ने

اللَّهُ الْمُنْفِقِينَ وَالْمُنْفِقَاتِ وَالْكُفَّارِ نَارَ

वादा किया है मुनाफ़िक मरदों और औरतों और काफ़िरो से जहन्नम की

جَهَنَّمَ خَلِيدِينَ فِيهَا ۖ هِيَ حَسْبُهُمْ ۗ وَلَعَنَهُمُ اللَّهُ ۗ

आग का जिस में वो हमेशा रहेंगे. ये उन को काफ़ी है. और अल्लाह ने उन पर लानत की है.

وَلَهُمْ عَذَابٌ مُّقِيمٌ ﴿١٦﴾ كَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ

और उन के लिये दार्दभी अजाब है. तुम्हारा डाल उन के डाल की तरह है जो तुम से पेडले थे

كَانُوا أَشَدَّ مِنْكُمْ قُوَّةً ۖ وَآكَثَرَ أَمْوَالًا ۖ وَأَوْلَادًا

जो तुम से ज़्यादा कुव्वत वाले थे और तुम से ज़्यादा माल और औलाद वाले थे.

فَاسْتَبْتَعُوا بِخَلْقِهِمْ ۖ فَاسْتَمْتَعْتُمْ بِخَلْقِكُمْ

फिर उन्होंने ने अपने डिस्से से फ़ाईदा उठाया, फिर तुम ने भी फ़ाईदा उठा लिया तुम्हारे डिस्से से

كَمَا اسْتَمْتَعَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ بِخَلْقِهِمْ

जैसा के उन लोगों ने अपने डिस्से से फ़ाईदा उठाया जो तुम से पेडले थे.

وَخُضْتُمْ كَالَّذِي خَاضُوا ۖ أُولَٰئِكَ حَبِطَتْ

और तुम मज़ाक उठाने में लगे रहे जैसा के वो मज़ाक उठाते थे. उन के आमाव

أَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ وَأُولَٰئِكَ هُمُ

उभट डो गये दुन्या और आभिरत में. और यही लोग भसारा

الْخٰسِرُونَ ﴿١٧﴾ أَلَمْ يَأْتِهِمْ نَبَأُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ

उठाने वाले हैं. क्या उन के पास उन लोगों की भबर नहीं आई जो उन से पेडले थे

قَوْمِ نُوْحٍ وَعَادٍ وَثَمُوْدَ ۙ وَ قَوْمِ اِبْرٰهِيْمَ

कौमे नूड और कौमे आद और कौमे समूद और एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की कौमे

وَأَصْحَابِ مَدْيَنَ ۖ وَالْمُؤْتَفِكَةَ ۖ أَتَتْهُمْ رُسُلُهُمْ

और मद्यन वाले और उलट दी जाने वाली भस्तियों की. जिन के पास उन के पैगम्बर

بِالْبَيِّنَاتِ ۗ فَمَا كَانَ اللَّهُ لِيَظْلِمَهُمْ وَلٰكِنْ كَانُوا

रोशन मोअजिजात ले कर आये. फिर अल्लाह ऐसा नहीं था के उन पर जुल्म करता, लेकिन वो

أَنْفُسُهُمْ يَظْلِمُونَ ﴿١٨﴾ وَالْمُؤْمِنُونَ وَالْمُؤْمِنَاتُ

भुद अपनी जानों पर जुल्म करते थे. और मोमिन मर्द और मोमिन औरतें

بَعْضُهُمْ أَوْلِيَاءُ بَعْضٍ ۖ يَأْمُرُونَ بِالْبِعْرُوفِ

उन में से अक दूसरे के दोस्त हैं. वो नेकी का हुकम देते हैं

وَيَنْهَوْنَ عَنِ الْمُنْكَرِ وَيُقِيمُونَ الصَّلَاةَ

और भुराई से रोकते हैं और नमाज काईम करते हैं

وَيُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَيُطِيعُونَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ ۝

और जकात देते हैं और अल्लाह और उस के रसूल की ईताअत करते हैं.

أُولَئِكَ سَيَرْحَمُهُمُ اللَّهُ ۝ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿٤١﴾

उन लोगों पर अल्लाह जल्द ही रहम करेगा. यकीनन अल्लाह जबरदस्त है, हिकमत वाला है.

وَعَدَ اللَّهُ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ بَدَنَاتِ

अल्लाह ने वादा किया है ईमान वाले मरदों और ईमान वाली औरतों से जन्नतों का

تَجَرُّى مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا

जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी जिन में वो हमेशा रहेंगे

وَمَسْكَنَ طَيِّبَةً فِي بَدَنَاتِ عَدْنٍ ۝ وَرِضْوَانٍ

और (उस ने वादा किया है) उमदा रेहने की जगहों का जन्नाते अदन में. और अल्लाह की तरफ से

مَنْ اللَّهُ أَكْبَرُ ذَلِكَ هُوَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ﴿٤٢﴾

भुशनूही सब से बड़ी नेअमत है. ये भारी काम्याबी है.

يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ جَاهِدِ الْكُفَّارَ وَالْمُنَافِقِينَ

ओ नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम)! आप जिहाद कीजिये काफ़िरो से और मुनाफ़िकीन से

وَاعْلَظْ عَلَيْهِمْ ۝ وَمَأْوَهُمْ جَهَنَّمُ ۝ وَبِئْسَ الْمَصِيرُ ﴿٤٣﴾

और उन के बारे में सभ्ती भरतिये. और उन का ठिकाना जहन्नम है. और वो भुरी जगा है.

يَحْلِفُونَ بِاللَّهِ مَا قَالُوا وَلَقَدْ قَالُوا

वो अल्लाह की कस्में भाते हैं के ये बात उन्हों ने नहीं कही. यकीनन उन्हों ने

كَلِمَةَ الْكُفْرِ وَكَفَرُوا بَعْدَ إِسْلَامِهِمْ وَهَبُوا

कुड़ का कलिमा कहा और वो उन के ईस्लाम के बाद काफ़िर हो गये और उन्हों ने ईरादा किया ऐसी चीज का

بِمَا لَمْ يَنْتَلُوا ۝ وَمَا نَقَمُوا إِلَّا أَنْ أَغْنَاهُمْ

जिस को वो हासिल न कर सके. और उन्हें भुरी नहीं लगी मगर ये बात के अल्लाह और उस के रसूल

اللَّهُ وَرَسُولُهُ مِنْ فَضْلِهِ ۝ فَإِنْ يَتُوبُوا يَكُ

ने उन्हें गनी कर दिया अपने इजल से. फिर अगर वो तौबा करेंगे तो ये

خَيْرًا لَهُمْ ۖ وَإِنْ يَسْتَوِلُوا يُعَذِّبُهُمُ اللَّهُ

उन के लिये बेहतर होगा. और अगर वो औराज करेंगे तो अल्लाह उन्हें अजाब

عَذَابًا أَلِيمًا ۖ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۖ وَمَا لَهُمْ

देंगे दर्दनाक अजाब दुन्या और आभिरत में. और उन का

فِي الْأَرْضِ مِنْ وَّلِيٍّ وَلَا نَصِيرٍ ﴿٥٧﴾ وَمِنْهُمْ

जमीन में कोई डिमायती और मददगार नहीं होगा. और उन में से

مَنْ عٰهَدَ اللّٰهَ لَئِنْ اٰتٰنَا مِنْ فَضْلِهٖ

कुछ लोग वो हैं जिन्होंने अल्लाह से अहद किया था के अगर वो हमें अपने इजल से देगा

لَنَصَّدَّقَنَّ وَلَنَكُوْنَنَّ مِنَ الصّٰلِحِيْنَ ﴿٥٨﴾

तो हम जरूर सद्का करेंगे और हम सुलहा में से बन जायेंगे.

فَلَمَّا اٰتٰهُمْ مِّنْ فَضْلِهٖ بَخِلُوْا بِهٖ وَتَوَلَّوْا وَهُمْ

झिर जब अल्लाह ने उन को अपने इजल से दिया तो उन्होंने उस में भुज्क किया और वो लौटते हैं

مُّعْرِضُوْنَ ﴿٥٩﴾ فَاَعْقَبَهُمْ نِفَاقًا فِيْ قُلُوْبِهِمْ

औराज करते हुवे. झिर अल्लाह ने सजा के तौर पर उन के दिलों में निफाक डाल दिया

اِلٰى يَوْمٍ يَلْقَوْنَهٗا بِمَا اٰخَفَوْا اللّٰهَ

उस दिन तक जिस दिन वो अल्लाह से मिलेंगे इस वजह से के उन्होंने ने अल्लाह से

مَا وَعَدُوْهُٗا وَبِمَا كَانُوْا يَكْذِبُوْنَ ﴿٦٠﴾ اَلَمْ يَعْلَمُوْا

वादाभिलाही की और इस वजह से के वो जूठ बोलते हैं. क्या उन्हें मालूम नहीं

اَنَّ اللّٰهَ يَعْلَمُ سِرَّهُمْ وَنَجْوَاهُمْ وَاَنَّ اللّٰهَ

के अल्लाह जानता है उन के दिल की बात को और उन की सरगोशी भी और ये के अल्लाह

عَلٰمُ الْغَيْبِ ﴿٦١﴾ الَّذِيْنَ يَلْبِسُوْنَ الْمُبْطُوْعِيْنَ

तमाम पोशीदा चीजों को भूब जानने वाला है. वो लोग जो ताना देते हैं सद्कात के

مِّنَ الْمُؤْمِنِيْنَ فِي الصّٰدَقٰتِ وَالَّذِيْنَ لَا يَجِدُوْنَ

भारे में ईमान वालों में से सद्का करने वालों को और उन लोगों को जो नहीं पाते

اِلَّا جُهْدَهُمْ فَيَسْخَرُوْنَ مِنْهُمْ ۗ سَخِرَ اللّٰهُ

मगर अपनी ताकत भर, झिर वो उन से मजाक करते हैं. अल्लाह भी उन से मजाक करता है.

مِنْهُمْ ز وَ لَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۰﴾ اِسْتَعْفِرْ لَهُمْ

और उन के लिये दृढ़नाक अजाब है. आप उन के लिये

أَوْ لَا تَسْتَغْفِرْ لَهُمْ ۖ إِنْ تَسْتَغْفِرْ لَهُمْ سَبْعِينَ

ईस्तिगफ़र करें या न करें. अगर आप उन के लिये सत्तर भरतबा भी ईस्तिगफ़र

مَرَّةً فَلَنْ يَغْفِرَ اللَّهُ لَهُمْ ۖ ذَلِكَ بِأَنَّهُمْ

करेंगे, फिर भी हरगिज़ अद्लाह उन की मगफ़िरत नहीं करेगा. ये इस वजह से के उन्हों ने

كَفَرُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ ۖ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ

कुड़ किया अद्लाह के साथ और उस के रसूल के साथ. और अद्लाह नाइरमान कौम को छिदायत

الْفٰسِقِينَ ﴿۱۱﴾ فَرِحَ الْخٰفُونَ بِمَقْعَدِهِمْ خَلْفَ

नहीं देते. जिहाद से पीछे रहने वाले भुश हो गये अपने बैठे रहने पर

رَسُولِ اللَّهِ وَ كَرِهُوا أَنْ يُجَاهِدُوا بِأَمْوَالِهِمْ

अद्लाह के रसूल के पीछे और उन्हों ने नापसन्द किया के वो जिहाद करें अपने मालों

وَ أَنْفُسِهِمْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَقَالُوا لَا تَنْفِرُوا فِي الْحَرِّ ۗ

और जानों के जरिये अद्लाह के रास्ते में और उन्हों ने कडा तुम भी इस गरमी में मत निकलो.

قُلْ نَارُ جَهَنَّمَ أَشَدُّ حَرًّا ۗ لَوْ كَانُوا يَفْقَهُونَ ﴿۱۲﴾

आप इरमा दीजिये के जहन्नम की आग उस से भी जयादा गर्म है. काश के वो समजते.

فَلْيَضْحَكُوا قَلِيلًا وَ لِيُبْكُوا كَثِيرًا ۗ جَزَاءً

फिर उन्हें यादिये के वो कम हंसें और जयादा रोयें, उन आमाल की सजा

بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿۱۳﴾ فَإِنْ رَجَعَكَ اللَّهُ

के तौर पर जो वो करते थे. फिर अगर आप को अद्लाह लौटाये

إِلَى طَائِفَةٍ مِّنْهُمْ فَاسْتَأْذِنُواكَ لِلْخُرُوجِ فَقُلْ

उन में से अक जमाअत की तरफ़, फिर वो आप से ईजाजत तलब करें निकलने की तो आप केह दीजिये के

لَنْ تَخْرُجُوا مَعِيَ أَبَدًا وَ لَنْ تُقَاتِلُوا مَعِيَ عَدُوًّا ۗ

तुम मेरे साथ हरगिज़ कभी भी मत निकलो और हरगिज़ किताल मत करो मेरे साथ रह कर कभी भी किसी

إِنكُمْ رَضِيتُمْ بِالْقُعُودِ أَوَّلَ مَرَّةٍ فَاقْعُدُوا مَعَ

दुश्मन से. इस लिये के तुम बैठे रहने पर राजी हो गये पोलवी भरतबा में, तो अब तुम बैठे रहो

الْخَلِيفِينَ ﴿۸۶﴾ وَلَا تَصِلْ عَلَىٰ أَحَدٍ مِّنْهُمْ مَّاتَ

पीछे रेहने वालों के साथ. और उन में से किसी अेक की जो मर जाये न कभी नमाजे जनाजा

أَبَدًا وَلَا تَقُمْ عَلَىٰ قَبْرِهِ ۗ إِنَّهُمْ كَفَرُوا بِاللَّهِ

पण्डिये, न उस की कबर पर जाये रहिये. इस लिये के उन्हों ने अल्लाह और उस के रसूल के साथ

وَرَسُولِهِ وَمَاتُوا وَهُمْ فَسِقُونَ ﴿۸۷﴾ وَلَا تَعْجَبْكَ

कुई किया और वो मरे इस डाल में के वो ङसिक थे. और उन के माल और उन की औलाह

أَمْوَالَهُمْ وَأَوْلَادَهُمْ ۗ إِنَّمَا يُرِيدُ اللَّهُ أَنْ يُعَذِّبَهُمْ

आप को अरछे न लगे. अल्लाह तो सिई ये याडते हैं के उन्हें

بِهَا فِي الدُّنْيَا وَتَرْهَقَ أَنفُسُهُمْ وَهُمْ كَافِرُونَ ﴿۸۸﴾

अजाब हें उस के जरिये दुन्या में और उन की जान निकले इस डाल में के वो काफिर हों.

وَإِذَا أُنزِلَتْ سُورَةٌ أَنْ آمَنُوا بِاللَّهِ وَجَاهِدُوا

और जब कोई सूरात उतारी जाती है के ईमान लाओ अल्लाह पर और तुम जिहाह करो

مَعَ رَسُولِهِ اسْتَأْذَنَكَ أُولُوا الطَّوْلِ مِنْهُمْ وَقَالُوا

अल्लाह के रसूल के साथ मिल कर तो उन में से ईस्तिताअत वाले आप से ईजाजत तलब करते हैं और

ذَرَنَّا نَكُنْ مَعَ الْقَاعِدِينَ ﴿۸۹﴾ رَضُوا بِأَنْ يَكُونُوا

केडते हैं के आप डमें छोड दीजिये के डम बैठे रेहने वालों के साथ रहें. वो पसन्द करते हैं इस को के वो

مَعَ الْخَوَالِفِ وَطُبِعَ عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ فَهُمْ لَا يَفْقَهُونَ ﴿۹۰﴾

पीछे रेहने वालियों के साथ हों, और उन के दिलों पर मुहर लगा दी गई, ङिर वो समजते नडीं.

لَكِنِ الرَّسُولُ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ جَاهِدُوا

लेकिन रसूल और वो लोग जो रसूल के साथ ईमान लाये हैं, उन्हों ने जिहाह किया

بِأَمْوَالِهِمْ وَأَنْفُسِهِمْ ۗ وَأُولَٰئِكَ لَهُمُ الْخَيْرَاتُ ۗ

अपने मालों और जानों के जरिये. उन डी के लिये भलाईयां हैं.

وَ أُولَٰئِكَ هُمُ الْبَافِلِحُونَ ﴿۹۱﴾ أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ جَنَّاتٍ

और यडी इलाह पाने वाले हैं. अल्लाह ने उन के लिये जन्नात तैयार कर रभी हैं

تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا ۗ

जिन के नीचे से नेडरें बेडती हैं, जिन में वो डमेशा रहेंगे.

ذَلِكَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝ وَ جَاءَ الْمَعْدِرُونَ

ये भारी काम्याबी है. और अअराब में से उतर पेश करने वाले

مِنَ الْعَرَابِ لِيُؤْذَنَ لَهُمْ وَ قَعَدَ الَّذِينَ كَذَبُوا

आये ताके उन्हें छजात दी जाये और बैठे रहे गये वो जिन्हों ने अद्लाह

اللَّهِ وَ رَسُولَهُ ۖ سَيُصِيبُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْهُمْ

और उस के रसूल से जूठ बोला. अनकरीब उन में से काफ़िरो को दहनाक

عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ لَيْسَ عَلَى الضُّعَفَاءِ وَلَا عَلَى الْمَرْضَى

अजाब पड़ोयेगा. जुअझ पर और भीमारों पर और उन पर कोई डरज नहीं

وَلَا عَلَى الَّذِينَ لَا يَجِدُونَ مَا يَنْفِقُونَ حَرْجٌ

जो नहीं पाते वो माल जिसे वो भर्य करे जब के वो

إِذَا نَصَحُوا لِلَّهِ وَ رَسُولِهِ ۖ مَا عَلَى الْمُحْسِنِينَ

अद्लाह और उस के रसूल के भेरज्वाड डों. नेकी करने वालों पर कोई छदजाम

مِنْ سَبِيلٍ ۖ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ وَلَا عَلَى الَّذِينَ

नहीं है. और अद्लाह भश्ने वाले, निडायत रहम वाले हैं. और न उन पर कोई डरज है के

إِذَا مَا آتَاكَ لِتَحْمِلَهُمْ قُلْتَ لَا أَجِدُ

जब वो आप के पास आते हैं के आप उन्हें सवारी दें तो आप इरमाते हैं के मैं नहीं पाता

مَا أَحْمِلُكُمْ عَلَيْهِ ۖ تَوَلَّوْا وَأَعْيُنُهُمْ تَفِيضُ

वो सवारी जिस पर मैं तुम्हें सवार कराऊं. तो वो वापस लौटते हैं इस डाल में के उन की आंभों से आंसू

مِنَ الدَّمْعِ حَزَنًا أَلَّا يَجِدُوا مَا يُنْفِقُونَ ۝ إِنَّمَا

भेड रहे डोते हैं गम के मारे इस वजह से के वो नहीं पाते वो माल जिसे वो भर्य करे. छदजाम

السَّبِيلِ عَلَى الَّذِينَ يَسْتَأْذِنُونَكَ وَهُمْ

तो सिई उन लोगों पर है जो आप से छजात तलब करते हैं इस डाल में के

أَغْنِيَاءُ ۖ رَضُوا بِأَنْ يَكُونُوا مَعَ الْخَوَالِفِ ۙ

वो मालदार हैं. वो पसन्द करते हैं के वो पीछे रहने वालियों के साथ रहें.

وَ طَبَعَ اللَّهُ عَلَى قُلُوبِهِمْ فَهُمْ لَا يَعْلَمُونَ ۝

और अद्लाह ने उन के दिलों पर मुडर लगा दी है, इर उन्हें मालूम भी नहीं.